हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

तापमान

अधिकतम 39 .4 डिग्री
न्यूनतम 18 .2 डिग्री

शहर में आज

- किलोई में बास्केटबॉल प्रतियोगिता सुबह 9 बजे
- सुपवा में अभिव्यजंना का समापन शाम 5 बजे
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर

पीजीआईएमएस में बनेगा हरियाणा का पहला 30 बेड का पैलिएटिव केयर वार्ड

यहां मिलेगा असली मोक्ष

गंभीर और अंतिम अवस्था के मरीजों को मिलेगी दर्द से राहत और गरिमामयी देखभाल

कैंसर और अंग फेलियर जैसे मरीजों को मिलेगा संयुक्त विशेषज्ञ टीम का इलाज

हरिभूमि ⏭ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) ने गंभीर और अंतिम अवस्था के मरीजों के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। संस्थान में जल्द ही 30 बेड का अत्याधुनिक पैलिएटिव केयर वार्ड शुरू किया जाएगा, जहां असहनीय दर्द से जूझ रहे मरीजों को राहत, सम्मान और गरिमामयी देखभाल उपलब्ध कराई जाएगी। यह सुविधा हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार शुरू होने जा रही है। संस्थान के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने ऐसे मरीजों के लिए विशेष वार्ड बनाने का सुझाव दिया था, जो जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि कई मरीज खाना नहीं खा पाते, लगातार असहनीय दर्द में रहते हैं और परिवार भी उन्हें घर पर उचित देखभाल नहीं दे पाता। ऐसे में एक समर्पित पैलिएटिव केयर वार्ड की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की सोच है कि हरियाणा का हर नागरिक सम्मानपूर्वक जीवन जीए और सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई पाए। इसी उद्देश्य के तहत मेडिसिन विभाग में बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए 30 बेड का अलग पैलिएटिव केयर वार्ड तैयार किया जाएगा। पैलिएटिव केयर केवल इलाज नहीं, बल्कि मरीज के जीवन की गुणवत्ता सुधारने की प्रक्रिया है।

रोहतक। मरीज के साथ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल।

इन बीमारियों के मरीज झेलते हैं ज्यादा दर्द

डॉ. मित्तल ने कहा कि कैंसर, अंग फेलियर और बुढ़ापे की गंभीर अवस्थाओं में मरीजों को अक्सर असहनीय दर्द झेलना पड़ता है। कई बार परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट जाता है, विशेषकर तब जब मरीज लंबे समय तक आईसीयू में मशीनों पर रहता है। यह वार्ड ऐसे परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण साबित होगा। यहां मेडिसिन, एनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक्स और सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की संयुक्त टीम मरीजों की देखभाल करेगी।

ऐसे रेफर होंगे मरीज

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि इस वार्ड में मरीज सीधे भर्ती नहीं होंगे। पहले उन्हें सामान्य वार्डों में भर्ती किया जाएगा। जब इलाज कर रहे डॉक्टर को लगेगा कि मरीज की बीमारी अंतिम अवस्था में पहुंच चुकी है और अब क्यूरेटिव ट्रीटमेंट की बजाय दर्द निवारण और देखभाल अधिक आवश्यक है, तब मरीज को पैलिएटिव केयर वार्ड में रेफर किया जाएगा।

दर्द को भी कम करने का किया जाता है प्रयास

इस देखभाल में मरीज के शारीरिक दर्द के साथ मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक पीड़ा को भी कम करने का प्रयास किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने जीवन लंबा करना संभव बनाया है, लेकिन अनावश्यक पीड़ा देना उचित नहीं है।

टर्मिनल और एंड-ऑफ-लाइफ केयर को संस्थागत रूप देगा

हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल में अभी तक ऐसी समर्पित सुविधा नहीं है। पीजीआईएमएस रोहतक राज्य का पहला संस्थान होगा, जो टर्मिनल और एंड-ऑफ-लाइफ केयर को संस्थागत रूप देगा। इस पहल से गंभीर मरीजों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में यह कदम हरियाणा को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करोड़ों के गबन में हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान व महासचिव पर एफआईआर

1.33 करोड़ की जालसाजी में आपराधिक मामला दर्ज | रिकॉर्ड में हेरफेर, फर्जी बिल और वित्तीय अनियमितताएं आई सामने

- हाईकोर्ट ने 16 जनवरी 2026 को एसपी को शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे

हरिभूमि ⏭ रोहतक

जिला बार एसोसिएशन में वित्तीय अनियमितताओं, रिकॉर्ड में कथित हेरफेर एवं करोड़ों रुपये के गबन से जुड़े मामले में थाना आर्य नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान लोकेंद्र फौगाट उर्फ जोजो तथा पूर्व महासचिव रोहित सुहाग के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, चंडीगढ़ के आदेशों, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा विस्तृत पुलिस जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मामले के अनुसार अधिवक्ता दीपक हुड्डा, प्रधान जिला बार एसोसिएशन रोहतक, ने इस संबंध में विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत में बार एसोसिएशन के वित्तीय लेन-देन में गंभीर अनियमितताओं, रिकॉर्ड में कथित फेरबदल, वित्तीय प्रक्रियाओं की अनदेखी तथा बड़ी धनराशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह प्रकरण पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां न्यायालय ने 16 जनवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक रोहतक को शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उचित आदेश पारित करने के निर्देश दिए थे।हाईकोर्ट के आदेशों एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के दिशा-निर्देशों के बाद मामले की विस्तृत जांच एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की निगरानी में करवाई गई। जांच के दौरान ऑडिट रिपोर्ट, बैंक लेजर, भुगतान रिकॉर्ड, चेक विवरण, बिल एवं अन्य वित्तीय दस्तावेजों का तकनीकी और तथ्यात्मक परीक्षण किया गया। पुलिस जांच में कई गंभीर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताएं उजागर हुईं।जांच रिपोर्ट के अनुसार अनेक बिल क्रमवार और तिथि अनुसार उपलब्ध नहीं पाए गए, जबकि कुछ बिल साधारण कागजों पर तैयार किए गए थे। कई दस्तावेजों पर जारीकर्ता एवं प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर तक नहीं मिले। इसके अतिरिक्त कुछ भुगतान ऐसे व्यक्तियों के नाम दर्शाए गए, जो संबंधित अवधि के दौरान बार एसोसिएशन के किसी अधिकृत पद पर कार्यरत नहीं थे। जांच में यह भी सामने आया कि विभिन्न खर्चों के लिए निर्धारित कोटेशन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तथा जमा पूंजी रजिस्टर भी नियमानुसार संधारित नहीं किया गया। पुलिस जांच के दौरान लगभग 1,33,01,773 रुपये (एक करोड़ तैंतीस लाख एक हजार सात सौ तिहत्तर रुपये) के कथित गबन का मामला सामने आया। इसके आधार पर थाना आर्य नगर, रोहतक में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 204 (साक्ष्य नष्ट करना), 414, 406 (आपराधिक विश्वासघात) एवं 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार घटनाक्रम की अवधि 1 नवंबर 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक की बताई गई है।

पूर्व प्रधान लोकेंद्र फौगाट

महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। दस्तावेजी एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगामी दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

नई अनाजमंडी में हलवाई की मौत

रोहतक। सैर पर निकले एक व्यक्ति की शनिवार सुबह अचानक मौत हो गई। पुलिस ने उसका शव नई अनाजमंडी के पास पार्क से बरामद किया गया। मृतक की शिनाख्त सुरेंद्र यादव के तौर पर हुई। वह हलवाई का काम करता था और हृदय रोगी था। नई अनाजमंडी चौकी प्रभारी निकेश ने बताया कि शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। वह अक्सर यहां सैर करने के लिए आता था।

- हृदय रोग से पीड़ित था व्यक्ति

कंस मामा ने ही किया था भांजे का अपहरण

दस लाख की मांगी थी फिरौती

- यूपी पुलिस ने किया था बच्चे को बरामद, तीनों आरोपी हो चुके गिरफ्तार

हरिभूमि ⏭ रोहतक

यूपी से लापता हुए कक्षा चार के बच्चे को किसी और ने नहीं बल्कि उसके मामा ने ही किडनैप किया था। जिसे शुक्रवार को ही रोहतक पुलिस और यूपी पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जिनमें एक बच्चे का मामा बताया जा रहा है। उसी ने बच्चे को किडनैप कर दस लाख की फिरौती की मांग की थी। मामा यूपी का ही रहने वाला है। जबकि दोनों अन्य आरोपी रोहतक और सोनीपत के रहने वाले हैं। यूपी पुलिस की पूछताछ में तीनों आरोपियों रामजी, अनीस और सुमित ने बताया कि वे बच्चे को 7 मई को ही स्कूल के बाहर से ही उठा लाए थे। बच्चे का मामा पहले रोहतक में नौकरी कर चुका था। उसकी यहां जान पहचान है। इसलिए वे बच्चे को लेकर रोहतक पहुंच गए, जहां एक होटल में रुके हुए थे। पुलिस के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बांदा निवासी अनिल ने 7 मई की शाम को अपने 10 वर्षीय बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। 7 मई को वह उसे स्कूल छोड़कर आए थे लेकिन बच्चा वापस नहीं लौटा। थाने से परिजन घर ही पहुंचे थे कि बच्चे की मां को वॉट्सएप कॉल कर 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। परिवार ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टोल प्लाजा और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच पड़ताल की। एक नंबर की लोकेशन रोहतक के एक होटल में मिली। इसके बाद टीम ने सादे कपड़ों में होटल की निगरानी शुरू की और इसी दौरान एक आरोपी सिगरेट लेने आया, जिसे पुलिस ने दबोच लिया।

सिविल अस्पताल में गिरी फॉल सीलिंग

अचानक गिरा मलबा, मची अफरा-तफरी

- ओपीडी शुरू होने से पहले हादसा, नहीं थी ज्यादा भीड़
- पहले भी गिर चुकी है फॉल सीलिंग, अस्पताल भवन की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

हरिभूमि ⏭ रोहतक

रोहतक के सामान्य अस्पताल में शनिवार सुबह इमरजेंसी और पैथोलॉजी लैब के पास लगी फॉल सीलिंग अचानक गिरने से अफरा-तफरी मच गई। हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे ब्लड टेस्ट और एक्सरे विभाग के बाहर हुआ। गनीमत रही कि उस समय ओपीडी शुरू नहीं हुई थी और वहां भीड़ कम थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के दौरान एक सफाई कर्मचारी मौके पर मौजूद था, जो बाल-बाल बच गया। तेज आवाज सुनकर मरीज और स्टाफ घबरा गए। हादसे के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रभावित हिस्से को अस्थायी रूप से खाली कराया गया और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। छत से बिजली की तारें और ट्यूबलाइट लटकी रहने से लोगों में डर बना रहा। मरीजों ने अस्पताल भवन की जर्जर हालत पर चिंता जताई।

रोहतक। सामान्य अस्पताल में गिरी फॉल सीलिंग। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

किसानों को 13.99 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

रोहतक। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शनिवार को पैन इंडिया कृषि आउटरीच कार्यक्रम के तहत रोहतक मंडल में जिला विकास भवन सभागार में मंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कृषि ऋण योजनाओं की जानकारी देने के साथ मौके पर ही ऋण स्वीकृति की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। कार्यक्रम के दौरान पात्र किसानों को 13.99 करोड़ रुपये के कृषि ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

आठ दिवसीय कला महोत्सव का समापन आज

रोहतक। दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स की कला प्रदर्शनी 'अभिव्यंजना' लगातार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। शनिवार को प्रदर्शनी का सातवां दिन रहा, जिसमें कई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु, कुलसचिव व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहुंचे और छात्रों की रचनात्मकता व कला कौशल की जमकर सराहना की। आठ दिवसीय कला प्रदर्शनी का समापन रविवार को होगा। औपचारिक समापन समारोह दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा, जबकि आम लोग शाम 5 बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।

सरकार का उद्देश्य प्रदेश का हर बच्चा खेलों से जुड़े : गजेंद्र फौगाट

कुरुक्षेत्र ने सिरसा को 40-37, जींद ने फतेहाबाद को 26-9 से हराया

किलोई में शुरू हुई 58वीं राज्यस्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फौगाट।

58वीं राज्यस्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फौगाट ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश का हर बच्चा खेलों से जुड़े और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि मैच में हार या जीत महत्वपूर्ण नहीं होती, बल्कि खेल की भावना सबसे बड़ी होती है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया। शनिवार को गजेंद्र फौगाट ने किलोई को बास्केटबॉल की काशी बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र ने खेल जगत को कई प्रतिभाएं दी हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन लड़कों के वर्ग में कुरुक्षेत्र की टीम ने सिरसा को 40-37 के करीबी अंतर से हराया। वहीं लड़कियों के वर्ग में जींद ने फतेहाबाद को 26-9 से पराजित किया, जबकि महेंद्रगढ़ की टीम ने नूंह को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

अर्पित की श्रद्धांजलि

कार्यक्रम में दिवंगत बास्केटबॉल खिलाड़ी शिव कुमार की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। समारोह में दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कालिया, दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चांद रहन, वरिष्ठ विश्लेषक संजय राठी, संजय संदीप राज भोला रहे।

1 हजार खिलाड़ी ले रहे भाग

आयोजन सचिव सुधीर हुड्डा ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग एक हजार लड़के और लड़कियां भाग ले रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अपनी अलग पहचान बनाई है।

एशियन चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेगा सचिन

रोहतक। हरियाणा की माटी हमेशा से ही पहलवानों की खान रही है, और इसी कड़ी में एक नया नाम उभर कर सामने आया है सचिन। हांसी (हिसार) के रहने वाले इस युवा पहलवान ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश का मान बढ़ाया है। सचिन 23 से 31 मई तक वियतनाम में होने वाली एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। सचिन ने कुश्ती की शुरुआत साल 2016 में की थी। एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले सचिन के पिता दिनेश किसान है। सचिन बताते हैं कि उन्हें कुश्ती में आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने पिता से मिली, जिन्होंने उन्हें इस खेल में आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों को लेकर सचिन काफी गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि जब कोई बड़ा टूर्नामेंट करीब होता है, तो वे दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर और शाम) प्रैक्टिस करते हैं। उनकी प्रैक्टिस में नॉर्मल कुश्ती के साथ-साथ रस्सा चढ़ना और दंड-बैठक जैसी कड़ी एक्सरसाइज शामिल हैं। अपनी डाइट के बारे में बात करते हुए सचिन ने बताया कि वे पूरी तरह से देसी डाइट पर भरोसा करते हैं, जिसमें दूध, बादाम, फल, मुनक्का और घर का शुद्ध खाना शामिल है।

ऐसी हैं उपलब्धियां

2022 में इटली में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने नेशनल स्तर पर कुल 8 मेडल अपने नाम किए हैं, जिनमें 5 गोल्ड, 2 ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर मेडल शामिल है। सचिन 12 बार भारत कुमार रह चुके हैं। 97 किलो भार वर्ग में उन्होंने हरियाणा केसरी का खिताब भी अपने नाम किया है। हाल ही में उन्होंने वियतनाम में आयोजित बीच एशियन गेम्स में 5वां स्थान हासिल किया।

जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप में पानीपत ने जीता मैच

रोहतक। 58वीं हरियाणा राज्य जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप का शनिवार को दूसरा दिन रहा। यह प्रतियोगिता शिव कुमार मेमोरियल स्टेडियम किलोई में 10 मई तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन रोहतक द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। लड़कों के पहले मैच में पानीपत ने जींद को 46-26 से हराया। गुरुग्राम ने अंबाला को 43-36 से हराया। हिसार ने कुरुक्षेत्र को 54-49 से हराया। वहीं लड़कियों के मैच में जींद ने पानीपत को 39-27 से हराया। आयोजकों ने बताया कि इस राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का उद्देश्य प्रदेश में बास्केटबॉल खेल को बढ़ावा देना तथा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी किया जा सकता है। आयोजन सचिव सुधीर हुड्डा ने बताया कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने प्रदेश के खेल प्रेमियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

निगम सफाई कर्मियों की हड़ताल से कूड़ा-कूड़ा हुई शहर की गलियां

- नगर पालिका कर्मचारियों को कांग्रेस का समर्थन, कूड़े का उठान न होने के चलते हर गली-मोहल्ले में लगे बड़े-बड़े ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कई दिन से शहर में सफाई नहीं होने के कारण गंदगी जगह-जगह फैल गई है। इसके अलावा लोगों के घरों तक कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंच पा रही हैं ,जिसकी वजह से लोगों के घरों में भी कूड़ा जमा हो गया है। इससे आने वाले समय में भयंकर बीमारियां फैल सकती हैं। शहर के जिस चौराहे पर देखें वही गंदगी के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। आने वाले दिनों में यह स्थिति और भी विकराल रूप धारण कर सकती है। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों का धरना शनिवार को भी जारी रहा।

समस्याएं सुनीं

विधायक भारत भूषण बत्रा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल नगर निगम पहुंचा और धरने पर बैठे कर्मचारियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस नेताओं ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी लड़ाई अब केवल कर्मचारियों की नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी की भी लड़ाई है।

हड़ताल का 9वां दिन

नगर पालिका कर्मचारी संघ की हड़ताल शनिवार को 9वें दिन में प्रवेश कर गई। इस दौरान हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए हड़ताल अध्यक्ष एवं इकाई प्रधान शम्भू टांक ने कहा कि सरकार के अड़ियल रवैये के कारण पूरे हरियाणा में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं और आमजन परेशान है।

विधायक बतरा अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने हड़ताल पर पहुंचे : पार्षद कपिल

भाजपा पार्षद कपिल नागपाल ने विधायक भारत भूषण बत्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सफाई कर्मचारियों को समर्थन देने नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने पहुंचे थे। नागपाल ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में कर्मचारियों का शोषण होता था, जबकि भाजपा सरकार में सफाई कर्मचारियों को "सफाई योद्धा" और "सफाई सैनिक" का सम्मान दिया गया है। उन्होंने बत्रा के उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को खुद मैदान में उतरकर नालों की सफाई करने की बात कही थी।

एचडी पब्लिक स्कूल के दो विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की एनडीए लिखित परीक्षा

रोहतक। एच.डी. पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की लिखित परीक्षा में सफलता हासिल की है। स्कूल के छात्र ध्रुव और छात्रा चंचल ढाका ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को पास कर सेना में अधिकारी बनने की दिशा में अपना पहला कदम बढ़ाया है। चंचल ढाका गांव सुंडाना और ध्रुव गांव गुढाण ने अपनी कड़ी मेहनत से यह सफलता प्राप्त की है। अब ये दोनों विद्यार्थी एसएसबी इंटरव्यू के अगले चरण में प्रवेश करेंगे। इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए स्कूल के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह फौगाट ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, एच.डी पब्लिक स्कूल बहु अकबरपुर का एकमात्र लक्ष्य विद्यार्थियों के सपनों को हकीकत में बदलना है।

सैनी गर्ल्स बी.एड कॉलेज में विदाई समारोह, एकता बनीं मिस फेयरवेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सैनी गर्ल्स बी.एड कॉलेज में शनिवार को जूनियर छात्राओं द्वारा सीनियर्स के सम्मान में रंगारंग विदाई समारोह हुआ। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विभिन्न प्रतियोगिताओं और सम्मान समारोह ने सभी का मन मोह लिया। समारोह में बी.एड फाइनल की छात्रा एकता को "मिस फेयरवेल" के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रधान अवनिश कुमार सैनी एवं कॉलेज प्रधान धर्म सिंह दहिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आदर्श अध्यापक बनने का आशीर्वाद दिया।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में हुई पेरेंट्स-टीचर मीटिंग, समग्र विकास पर हुई चर्चा

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में मासिक परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और समग्र विकास पर शिक्षकों से चर्चा की। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता मलिक ने कहा कि प्रत्येक माह टेस्ट आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन की आदत विकसित करना और उन्हें प्रारंभिक स्तर से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम, विषयवार प्रदर्शन और व्यवहारिक विकास की जानकारी देते हुए सुधार के लिए आवश्यक सुझाव दिए। अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मासिक परीक्षा प्रणाली से बच्चों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना बढ़ेगी और वे अपनी कमियों को समय रहते सुधार सकेंगे। इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक, उप-प्रधानाचार्या मधुलिका सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मांगों को लेकर दमकल कर्मचारियों की हड़ताल 32वें दिन भी रही जारी

महम। महम में अग्निशमन केंद्र के कर्मचारी 32 दिन से हड़ताल पर रहे। उनकी मांग है कि फरीदाबाद में आग बुझाते समय मारे गए दो कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दिया जाए। मृतकों के परिवार से एक एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए। पीड़ित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाए। लेकिन सरकार उनकी ये मांगें नहीं मान रही। महम में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों भी उनके साथ हड़ताल में शामिल हो गए हैं और पिछले 9 दिन से वे हड़ताल पर हैं और नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से शहर में सफाई व्यवस्था का जनाजा निकल गया है। गलियां गंदगी से अटी पड़ी हैं।

- शहर में सफाई व्यवस्था ठप, गंदगी से अटी गलियां

महाराणी किशोरी कॉलेज में फेयरवेल समारोह, सुनैना को मिस ब्यूटी का खिताब

रोहतक। महाराणी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के योग विभाग में फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीनियर छात्राओं को भावनात्मक एवं यादगार विदाई देना रहा। इस अवसर पर जूनियर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन कर कार्यक्रम को खास बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने की। उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। उन्होंने सीनियर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। प्रतियोगिता में बेस्ट परफॉर्मेंस का खिताब योद्धा को मिला। वहीं मिस फेयरवेल का खिताब प्रिया और तन्नु ने अपने नाम किया। मिस ब्यूटी का खिताब सुनैना को मिला, जबकि वेल ड्रेस्ड का खिताब दीपा को प्रदान किया गया। विजेताओं के नाम घोषित होने पर पूरे सभागार में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

सांपला में भी ईसीएचएस खेल, बिना सुविधा के इलाज बिल बने, जांच टीम आई और लौट गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

हिसार और रोहतक में ईसीएचएस के नाम पर करोड़ों के फर्जी बिलों के मामले सामने आने के बाद अब इसकी आंच सांपला तक पहुंचती दिखाई दे रही है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार इसी पैनल से जुड़े सांपला के एक निजी अस्पताल में भी जांच टीम पहुंची थी। लेकिन जिस तरह पूरी कार्रवाई हुई, उसने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जैसे ही जांच टीम अस्पताल पहुंची अस्पताल का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया गया। अंदर क्या हुआ कौन से रिकॉर्ड देखे गए और किन मरीजों की फाइलों की जांच हुई, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी बाहर नहीं आई। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि जिन जांचों और इलाजों के नाम पर मरीजों के बिल लगाए गए वे सुविधाएं अस्पताल के पास मौजूद ही नहीं थीं। सूत्रों का दावा है कि अस्पताल में कई ऐसे टेस्ट और प्रक्रियाओं के बिल लगाए गए जिनकी मशीनें तक अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद मरीजों के नाम पर इलाज और जांच के बिल तैयार किए गए और भुगतान की प्रक्रिया तक पूरी होती रही। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बिना सुविधा के इलाज कागजों में कैसे चलता रहा और जिम्मेदार अधिकारी इतने समय तक आंखें बंद करके क्यों बैठे रहे। स्थानीय लोगों में यह चर्चा भी तेज है कि जांच के बाद टीम बिना किसी स्पष्ट कार्रवाई के वापस लौट गई। इतना ही नहीं यह भी बताया जा रहा है कि अस्पताल संचालक द्वारा जांच टीम को एक स्थानीय होटल में ठहराया गया जहां देर रात तक बातचीत चलती रही। इसके बाद पूरे मामले को लेकर शहर में तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

एनएचएम कर्मचारी संघ ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एनएचएम कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला स्तरीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य कार्यकारिणी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हरिराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कप्तान राणा तथा महासचिव डॉ. अरुण वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष हरिराज ने की, जबकि मंच संचालन जिला अध्यक्ष रोहतक डॉ. अंकित फोगाट द्वारा किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तरीय समिति का विस्तार करना तथा आगामी 18 मई को हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के साथ होने वाली संगठन की महाप्रतिनिधि मंडल वार्ता की तैयारियों पर चर्चा करना रहा। इस अवसर पर बताया गया कि प्रदेश के सभी 22 जिलों से एनएचएम कर्मचारी साथी 18 मई को स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष महाप्रतिनिधि मंडल के माध्यम से अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे।

रिजल्ट के इंतजार में अटके स्नातक दाखिले

रोहतक। हरियाणा के कॉलेजों में स्नातक कक्षाओं में दाखिले की प्रक्रिया सात मई से शुरू हो गई थी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी पोर्टल पर छात्र अपने पसंदीदा कॉलेजों के लिए आवेदन कर रहे हैं। हालांकि, 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित न होने के कारण हजारों छात्र इस समय भारी असमंजस की स्थिति में हैं। सभी कॉलेजों में दाखिले मेरिट के आधार पर किए जाएंगे। वर्तमान में छात्र पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और अपनी बेसिक जानकारी (जैसे नाम, पता, पिता का नाम आदि) भर सकते हैं। लेकिन, जब तक 12वीं का परिणाम घोषित नहीं हो जाता, छात्र अपना अंतिम फॉर्म सबमिट नहीं कर पाएंगे। इसके लिए उन्हें मार्कशीट के नंबर और अन्य विवरणों की आवश्यकता होगी।जिले के 15 कॉलेजों में लगभग 16297 सीटों पर दाखिले होंगे। कॉलेजों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी 7 मई से 31 मई तक ऑनलाइन पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकेंगे। यदि आवेदन फॉर्म भरते समय कोई त्रुटि हो जाती है, तो उसमें 1 जून तक सुधार (एडिट) करने का विकल्प दिया गया है। 2 जून को सभी आवेदकों की सूची जारी की जाएगी, जिसमें छात्र अपनी आपत्तियां देख सकेंगे।

वर्कशॉप में मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर की विस्तृत चर्चा

रोहतक। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मरीज सुरक्षा सेल ने वर्कशॉप का आयोजन किया। इसका उद्देश्य हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित हेल्थकेयर तरीकों को मजबूत करना था। इस वर्कशॉप में मरीजों की देखभाल और उनकी सुरक्षा से जुड़े कई अहम पहलुओं पर चर्चा की गई। डॉ. मनीषा नाडा ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मुख्य मुद्दों पर रोशनी डाली और हेल्थकेयर संस्थानों में सुरक्षा की एक मजबूत संस्कृति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मेडिकल गलतियों को कम करने और मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की। डॉ. विवेक ने दवाओं की सुरक्षा पर एक जानकारी भरा सत्र लिया। उन्होंने दवाओं के सही इस्तेमाल, सुरक्षित प्रिस्क्रिप्शन लिखने के तरीकों और दवाओं से जुड़ी गलतियों को रोकने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. राज ने हाथों की स्वच्छता (हैंड हाइजीन) के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि हेल्थकेयर संस्थानों में संक्रमण को रोकने और मरीजों की सुरक्षा बनाए रखने में हाथों की स्वच्छता की कितनी अहम भूमिका होती है।

रक्त की एक-एक बूंद कीमती: डॉ. सुरेश

रोहतक। भारत विकास परिषद शाखा द्वारा पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओपीडी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 160 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण शर्मा और पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. सुरेश सिंघल ने सभी रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। परिषद के अध्यक्ष विक्रांत शर्मा, सचिव विजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजय जैन एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय गुप्ता और संजय भाटिया ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एस के सिंघल ने रक्तदाताओं के जज्बे की सराहना करते कहा कि रक्तदान महादान है। आपके द्वारा दिया एक यूनिट रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है। आज समाज में रक्तदान के प्रति जो जागरूकता बढ़ी है, वह काबिले-तारीफ है। पीजीआई में अब मरीजों के अटेंडेंट के साथ-साथ भविष्य के डॉक्टर बनने वाले एमबीबीएस छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं। यह बहुत शुभ संकेत है। डॉ. सुरेश सिंघल ने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद कीमती है और हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

लोकतंत्र का पर्व | **16 मतदान केंद्र बनाए, सभी पोलिंग पार्टियां पहुंची**

सांपला में नपा चुनाव आज, प्रशासन अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। नगर पालिका चुनाव के लिए मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण करते जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

सांपला नगर पालिका सामान्य चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वोटिंग 10 मई को होगी। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील भी की। शनिवार को नगर पालिका चुनाव के लिए मतगणना स्टाफ की प्रथम रेंडोमाइजेशन प्रक्रिया उपायुक्त सचिन गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न करवाई गई। इस दौरान सामान्य पर्यवेक्षक एवं अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, रिटर्निंग अधिकारी अंकिता पुवार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी मुकुंद तंवर, चुनाव तहसीलदार सरला, तहसीलदार सांपला गुलाब सिंह, डीआईओ महेश भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सभी व्यवस्थाएं पूरी

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि मतगणना कार्य में लगाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी रेंडोमाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित की है, ताकि निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान डाटा को सुरक्षित रूप से लॉक किया गया तथा प्रत्याशियों की सहमति भी प्राप्त की गई। रेंडोमाइजेशन के बाद कर्मचारियों की तैनाती विभिन्न मतगणना टेबलों और केंद्रों पर की गई है। कहा कि नगर पालिका चुनाव के लिए सांपला क्षेत्र में कुल 16 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी पोलिंग पार्टियां अपने निर्धारित केंद्रों पर पहुंच चुकी हैं और मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा दी गई हैं। मतदाताओं के लिए पेयजल, बिजली, शौचालय, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए।

प्रत्येक टेबल पर एक मतगणना सुपरवाइजर नियुक्त होगा

मतगणना की तैयारियों को लेकर भी प्रशासन ने विस्तृत योजना तैयार की है। उपायुक्त ने बताया कि मतगणना 13 मई को सुबह 8 बजे शुरू होगी और इसके लिए 11, 12 और 13 मई को संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतगणना इसी परिसर में करवाई जाएगी। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि मतगणना के लिए कुल 11 टेबल स्थापित की जाएंगी। इनमें से 8 टेबलों पर काउंटिंग स्टाफ तैनात रहेगा, जबकि 2 रिजर्व रखी जाएंगी। इसके अतिरिक्त एक टेबल रिटर्निंग अधिकारी के लिए निर्धारित की गई है। प्रत्येक टेबल पर एक मतगणना सुपरवाइजर तथा एक मतगणना सहायक नियुक्त रहेगा। इस अवसर पर उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण भी किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि चुनाव परिणाम प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके।

महाराणा प्रताप के शौर्य त्याग और राष्ट्रभक्ति को किया याद

रोहतक। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर शनिवार को जींद बाईपास चौक पर श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ महाराणा प्रताप के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया और देशवासियों को जयंती की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है।

...मां समाज की आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में मदर्स-डे के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम

पठानिया पब्लिक स्कूल के विशाल सभागार में मदर्स-डे के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर की लगभग 600 माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत नृत्य के साथ हुई, जिसने माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। आयोजन के दौरान डॉ. देविना बधवार ने कुकिंग सेशन के जरिए नए व्यंजनों की जानकारी दी, वहीं डॉ. सोनिका मान ने 'कैंसर अवेयरनेस' सत्र के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य और नियमित जांच के प्रति जागरूक किया। इसके अतिरिक्त, मिस मानसी ने ग्रूमिंग और व्यक्तित्व विकास पर उपयोगी टिप्स साझा किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'रील क्वीन अवॉर्ड शो' रहा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजेताओं को मुख्य अतिथि मिस श्वेता चुघ द्वारा सम्मानित किया गया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने माताओं को समाज की आधारशिला बताते हुए उनके सम्मान की महत्ता पर जोर दिया। तंबोला और सामूहिक लंच के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने सभी माताओं का आभार व्यक्त किया।

मातृत्व दिवस पर स्कूलों में कार्यक्रम, जननी का आदर करने की दी सीख

मां के चरणों में संपूर्ण वैभव : एकता सिंधु

इंडस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने चित्रकला कार्ड बनाना, पोस्टर बनाना आदि गतिविधियों में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृत्व दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने माता परमेश्वरी देवी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर, पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात सभी अध्यापकों ने भी माताजी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन किया।

गायत्री मंत्र के साथ प्रारम्भ हुई प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों ने आज का विचार, कविता, भाषण, गीत, नृत्य की प्रस्तुति द्वारा माताओं के प्रति अपने श्रद्धा-भाव, सम्मान व प्रेम को प्रकट किया। तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने चित्रकला, कार्ड बनाना, पोस्टर बनाना आदि रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एक मां ही होती है जो बिना किसी स्वार्थ के खुद को मुसीबत में डालकर हर समय अपने बच्चे की ढाल बनकर खड़ी रहती है, मां के निःस्वार्थ भाव और उसकी अहमियत को शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि इस सृष्टि का कण-कण मातृत्व के गुण का गुणगान करें तो भी मां के गुणों को वर्णित नहीं किया जा सकता। मां किसी भी मानव के जीवन का एक अनमोल रत्न होती है। मां के चरणों में संसार का संपूर्ण वैभव होता है। इसलिए सदा हमें अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।

मां प्रेम और संस्कारों की प्रतिमूर्तः सलिल मेहता

रोहतक। बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य सलिल मेहता एवं उपस्थित अभिभावकों ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने मनमोहक समूह नृत्य, गायन और नाटकों के माध्यम से माँ के त्याग और ममता को जीवंत कर दिया। विशेष आकर्षण माँ और बच्चों की संयुक्त प्रस्तुतियाँ रहीं, जिन्होंने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त, माताओं के लिए म्यूजिकल चेयर, बैलून रेस और तंबोला जैसे मनोरंजक खेल आयोजित किए गए, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय में आयोजित पोस्टर एवं ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन स्वयं माताओं द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य सलिल मेहता ने माताओं को प्रथम गुरु बताते हुए कहा कि माँ प्रेम और संस्कारों की प्रतिमूर्ति है। इस दौरान उप-प्रधानाचार्या सोनिया सिंधवानी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

न्यूज डायरी

आधुनिक शिक्षा प्रणाली की जानकारी दी

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में सीबीएसई प्रशिक्षण सत्र का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र में शिक्षकों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली, नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सीबीएसई की ओर से आईं शिक्षाविद् सोनिया पवार एवं रीतू सिंह ने अपने ज्ञान, अनुभव एवं प्रभावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित जनों को नई शिक्षण तकनीकों एवं शिक्षण के बदलते आयामों की गहन जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में कुरुक्षेत्र, हिसार, गुरुग्राम एवं सोनीपत से आए विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपने अनुभव साझा किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. पवार ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान करते हैं।

मॉडल स्कूल में मातृ दिवस मनाया

रोहतक। बेरी रोड स्थित मॉडल स्कूल सांपला के प्रांगण में मातृ दिवस पर विशेष सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ की महिमा का बखान करने वाले प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ, जिसमें माँ को जीवन की प्रथम गुरु और मार्गदर्शक बताया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर की पत्नी वीना ग्रोवर उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के तौर पर मॉडल एजुकेशन सोसायटी की सलाहकार एवं निगरानी समिति की सदस्य श्रीमती विजय बलहारा ने शिरकत की। विद्यार्थियों ने हृदयस्पर्शी भाषणों और कविताओं के माध्यम से माँ के त्याग और समर्पण को जीवंत कर दिया। विशेष आकर्षण विद्यार्थियों और उनकी माताओं द्वारा दी गई संयुक्त नृत्य प्रस्तुति रही।

द रॉयल सहीराम स्कूल में मनाया मदर्स डे

महम। द रॉयल सहीराम स्कूल में शनिवार को मदर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बच्चों के माता-पिता ने स्कूल प्रांगण में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिए। स्कूल के बच्चों ने मातृशक्ति को समर्पित फिल्मी गानों पर जमकर डांस किया। इस अवसर पर माताओं के लिए कुछ मजेदार गेम्स भी रखे गए, जैसे कि म्यूजिकल चेयर, जलेबी ईटिंग, कैट वाक तथा लेमन रेस आदि। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप भारद्वाज, प्राचार्या शीला दूहन, वीरमति बामल, विरेंद्र बामल, विना मेम, ज्योति मेम ने प्रतियोगिता में विजेता माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

माता बच्चे की पहली गुरु : कुलवंत नहरा

महम। एचडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेड़ी महम में शनिवार को मदर्स डे पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने कहा कि मदर्स डे के अवसर पर विद्यालय में दिन पूर्व बच्चों नेअपनी मां के लिए चार्ट, कार्ड , पत्र व उपहार भी भेंट किए। स्कूल निदेशक कुलवंत नहरा ने कहा कि माता बच्चे की पहली गुरु होती है ।

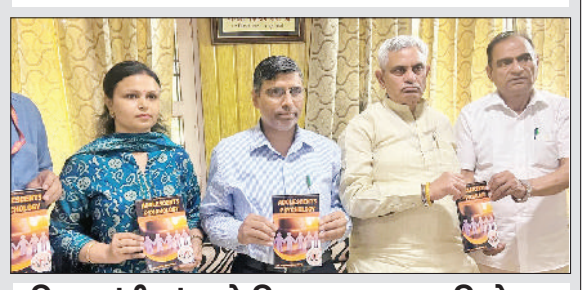

शिक्षा मंत्री ढांडा ने किया पुस्तक का विमोचन

रोहतक। शिक्षा के क्षेत्र में रोहतक में विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में शिक्षा मंत्री ने डॉ. प्रियंका भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक एडोलसेंस साइकोलॉजी (किशोरावस्था मनोविज्ञान) का विधिवत विमोचन किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि किशोरावस्था मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव है। उन्होंने लेखिका के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी। विमोचन समारोह में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और मार्केट कमेटी के चेयरमैन अशोक चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मां परिवार की आधारशिला और समाज की संस्कृति एवं संवेदनाओं की सशक्त धुरी

मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की संस्कृति और संवेदनाओं की सशक्त धुरी होती है। मदर्स डे के अवसर पर मैं सभी माताओं को सम्मानपूर्वक नमन करता हूं। विश्वविद्यालय सदैव अपनी महिला एवं मातृत्व दायित्व निभा रही कर्मचारियों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील एवं अनुकूल कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सभी माताओं के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करता हूं।"

-डॉ एच के अग्रवाल, कुलपति, पीजीआईएमएस

स्वस्थ मां ही स्वस्थ परिवार और सशक्त राष्ट्र की मजबूत आधारशिला

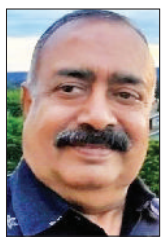

मां जीवन की प्रथम गुरु और सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। मदर्स डे के अवसर पर मैं सभी माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं सम्मान प्रकट करता हूं। पीजीआईएमएस में प्रतिवर्ष लगभग 11,000 प्रसव संपन्न होते हैं, जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा संस्थान सुरक्षित मातृत्व, गुणवत्तापूर्ण प्रसूति सेवाओं तथा नवजात देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। स्वस्थ मां ही स्वस्थ परिवार और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है।

-डॉ एस के सिंघल, निदेश, पीजीआईएमएस

शाइनिंग स्टार्स में विद्यार्थियों और माताओं ने मिलकर किया डांस

रोहतक। शाइनिंग स्टार्स विद्यालय में शनिवार को बालवाटिका एवं बालवाटिका-1 के विद्यार्थियों की माताओं के लिए मदर्स डे सेलिब्रेशन का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर माताओं के लिए अनेक मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ड्रॉ द क्रिएटिव फेस, प्लेस द बॉल तथा स्पर्श से पहचान जैसी गतिविधियों ने सभी का खूब मनोरंजन किया। माताओं ने पूरे उत्साह के साथ इन खेलों और गतिविधियों में भाग लिया तथा अपने बच्चों के साथ खुशनुमा और यादगार पल बिताए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और उनकी माताओं ने साथ मिलकर डांस किया, अपनी भावनाएं साझा कीं तथा मां-बच्चे के प्यार और मजबूत रिश्ते को खूबसूरती से व्यक्त किया। बच्चों और माताओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। विद्यालय में विशेष रूप से सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया, जहां माताओं और बच्चों ने साथ मिलकर यादगार तस्वीरें क्लिक करवाईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मां और बच्चे के बीच प्रेम, अपनापन एवं भावनात्मक जुड़ाव को और अधिक मजबूत बनाना था।

केवल पारंपरिक शिक्षा आज के युग में पर्याप्त नहीं : प्रो. डॉ. बीएम यादव

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा 'विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विवि के कुलपति प्रो. डॉ. बीएम यादव ने कहा कि केवल पारंपरिक शिक्षा आज के युग में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अनुसंधान और तकनीकी दक्षता को अपने व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाएं ताकि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। विशिष्ट अतिथि डॉ. राहुल तनेजा ने वर्चुअल माध्यम से पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने जोर दिया कि स्टार्टअप्स और युवा इनोवेटर्स को अपने विचारों को कानूनी संरक्षण देना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि समय के साथ एडवांस टेक्नोलॉजी न अपनाने वाली संस्थाएं पिछड़ जाती हैं। उन्होंने एआई को सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी बताया। डॉ. विक्रम बंसल ने स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा में एआई के क्रांतिकारी बदलावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन राठी ने किया और समापन पर प्रो. अनिल डुडी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार, डीन प्रो. मुकेश सिंगला और पीआरओ राम मेहर शर्मा सहित भारी संख्या में शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आदर्श स्कूल मदीना में मातृ दिवस मनाया

महम। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में मातृ दिवस के अवसर पर माताओं के सम्मान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति प्रेम व्यक्त किया, जबकि तीसरी से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने आकर्षक कार्ड बनाए। छठी से बारहवीं कक्षा के छात्रों ने माँ के नाम धन्यवाद संदेश लिखे। कार्यक्रम में एक्टिव मॉम, ब्यूटीफुल स्माइल, रैंप वॉक, लक्की ड्रॉ और कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

CSC CENTRE
REQUIREMENT
COMPUTER OPERATOR
2 (FEMALE)
Knowledge: Internet, Online Form, Portals
Photoshop, MS Office
Experience Preferred
Name: Abhimanyu
& : 9812515432
Circular Road, Opposite Devi Vihar,
Near Jhajjar Chungi, HP Petrol Pump, Rohtak

नगर निगम की करीब 16 एकड़ जमीन चिन्हित की, पेयजल जरूरत होगी पूरी

गढ़ी बोहर व तिलियार में बनने वाले रॉ वाटर स्टोरेज टैंक की अप्रूवल अंतिम चरण में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

2038 की संभावित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बनेंगे टैंक

शहर की बढ़ती आबादी और भविष्य की पेयजल जरूरतों को देखते हुए जनस्वास्थ्य विभाग ने अमरूत योजना-दो के तहत बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। शहर में वर्ष 2038 की संभावित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गढ़ी बोहर और तिलियार में रॉ वाटर स्टोरेज टैंक बनाए जाएंगे। इसके लिए गढ़ी बोहर में नगर निगम की करीब 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गई है, जबकि तिलियार में बनने वाले टैंक की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) चंडीगढ़ भेज दी गई है। यह जलघर बनने से एक लाख से अधिक लोगों की प्यास बुझेगी। आठ वार्डों के घरों तक पानी मुहैया करवाया जाएगा। जनस्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य आने वाले वर्षों में शहर को निर्बाध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। इसके तहत नहर के पानी को सीधे स्टोरेज टैंकों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी ताकि पानी की सप्लाई में किसी प्रकार की बाधा न आए। अधिकारियों का कहना है कि दोनों स्थानों का चयन तकनीकी आधार और जलापूर्ति की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। विभाग के इंजीनियरों की टीम शहर के उन क्षेत्रों का भी सर्वे कर रही है जहां अब तक पेयजल लाइनें नहीं बिछाई गई हैं या फिर आबादी बढ़ने के कारण मौजूदा पाइपलाइनें पर्याप्त क्षमता नहीं रखतीं। ऐसे इलाकों की सूची जल्द तैयार कर नई पाइपलाइन बिछाने की योजना बनाई जाएगी। इससे शहर के बाहरी और तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों को भी बेहतर पेयजल सुविधा मिल सकेगी।

सभी कार्यों की निगरानी करेगी पीडीएमसी

अमरूत योजना-दो के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यों की निगरानी के लिए सरकार जल्द ही पीडीएमसी (प्रोजेक्ट डेवलपमेंट मॉनीटरिंग कमेटी) का गठन करेगी। यह कमेटी हर परियोजना की तकनीकी उपयोगिता और धरातल पर उसकी जरूरत का आकलन करेगी। किसी भी योजना को अंतिम मंजूरी देने से पहले पीडीएमसी उसकी व्यवहारिकता की जांच करेगी ताकि सरकारी धन का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके। केवल मंजूरी ही नहीं, बल्कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी पीडीएमसी के पास होगी। कमेटी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करेगी ताकि किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी सामने न आए।

भविष्य में बढ़ेगी पानी की मांग

जनस्वास्थ्य विभाग के अनुसार अमरूत योजना-दो के तहत शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भविष्य में पानी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अभी से तैयारी की जा रही।

लाखों लोगों को पानी की सुविधा हो सकेगी मुहैया

दोनों जगहों की डीपीआर तैयार कर चंडीगढ़ भेजी हुई है। ताकि जल्द से जल्द इसे अप्रूवल मिल सके और निर्माण कार्य तेजी से हो सके। शहर में वर्ष 2038 की संभावित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गढ़ी बोहर और तिलियार में रॉ वाटर स्टोरेज टैंक बनाए जाएंगे। इन जलघर के निर्माण से लाखों लोगों को पानी की सुविधा मुहैया हो सकेगी।

-संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

हीट स्ट्रोक और डेंगू का अलर्ट

पीजीआई में विशेष वार्ड बनाया, 14 बेड लगाए, वरिष्ठ चिकित्सक करेंगे उपचार

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ी गंदगी, बीमारियों का खतरा बढ़ रहा

■ मरीजों का बेहतर उपचार करने के लिए पीजीआईएमएस ने शुरू की तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लगातार बढ़ती गर्मी और शहर में फैली गंदगी के बीच हीट स्ट्रोक और डेंगू के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। इसी को देखते हुए पीजीआईएमएस प्रशासन ने आपातकालीन वार्ड में विशेष व्यवस्था करते हुए 14 बेड का स्पेशल वार्ड तैयार किया है। इस वार्ड में हीट स्ट्रोक और डेंगू से प्रभावित मरीजों का उपचार किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खास बात यह है कि यहां वरिष्ठ चिकित्सकों की तैनाती होगी ताकि मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कतें न आए। हालांकि अभी हीट स्ट्रोक , डेंगू और मलेरिया के गिने चुने मरीज ही उपचार करवाने के लिए पहुंचे हैं। शनिवार को पीजीआईएमएस के एमएस डॉ कुंदन मित्तल ने भी वार्ड का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

बचने के उपाय

- दोपहर 11 बजे से 4 बजे के बीच बाहर जाने से बचें। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस, नींबू पानी, या छाछ पीते रहें। धूप में निकलते समय टोपी या छाते का प्रयोग करें।
- बीमारी के लक्षण आने पर तत्काल चिकित्सक से उपचार करवाएं।

लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

पीजीआईएमएस के अधिकारियों के अनुसार, भीषण गर्मी के कारण अस्पताल में हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं, दूसरी ओर शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। नालियों में जमा गंदा पानी और बढ़ती गंदगी मच्छरों के पनपने का कारण बन रही है, जिससे डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सावधानी बरतने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विशेष वार्ड में मरीजों की निगरानी के लिए वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम तैनात की गई है। इसके अलावा प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और जरूरी मेडिकल उपकरणों की भी व्यवस्था की गई है। वार्ड में भर्ती मरीजों की नियमित जांच की जाएगी ताकि किसी भी गंभीर स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी

डॉक्टरों का कहना है कि तेज धूप में लंबे समय तक रहने से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, हल्के कपड़े पहनना और शरीर को ठंडा रखना जरूरी है। वहीं, डेंगू से बचाव के लिए घरों के आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर और टंकियों की नियमित सफाई करने तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना

पीजीआईएमएस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बुखार, चक्कर, उल्टी, तेज सिरदर्द या शरीर में कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुंचकर जांच करवाएं। अस्पताल का दावा है कि आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

हीट स्ट्रोक के प्रमुख कारण

- *अत्यधिक गर्मी और उमस :* गर्म और नमी वाले मौसम में शरीर का पसीना जल्दी नहीं सूखता, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं हो पाता।
- *लंबे समय तक धूप में रहना :* चिलचिलाती धूप में ज्यादा समय बिताने से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता है।
- *डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) :* शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) की कमी से पसीना कम आता है और तापमान बढ़ता है।
- *शारीरिक मेहनत :* चिलचिलाती गर्मी में कड़ी मेहनत या व्यायाम करने से, खासकर अगर आप इसके आदी नहीं हैं।
- *उचित कपड़े न पहनना :* गर्मी में गहरे रंग के या बहुत टाइट कपड़े पहनने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती।
- *शराब और कैफीन का सेवन :* अल्कोहल, चाय, या कॉफी शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) को बढ़ा सकते हैं।
- *जोखिम वाले कारण :* बुजुर्गों, बच्चों, और पहले से बीमार लोगों (जैसे हृदय या फेफड़े की बीमारी) को हीट स्ट्रोक का खतरा ज्यादा होता है।

मेरा शहर मेरी समस्या — आंबेड़कर कॉलोनी

वार्ड 21 की गली नंबर 3 में नहीं पहुंच रहा पानी

आंबेड़कर कॉलोनी में पेयजल संकट गहराया, लोग हैंडपंप व टैंकरों के सहारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के वार्ड नंबर 21 स्थित आंबेड़कर कॉलोनी की गली नंबर 3 में पिछले कई दिनों से गहरा पेयजल संकट बना हुआ है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को पीने के पानी से लेकर घरेलू जरूरतों तक के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की जरूरत भी बढ़ गई है, लेकिन सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है। कॉलोनी के निवासी हैंडपंप और पानी के टैंकरों के सहारे किसी तरह काम चला रहे हैं, लेकिन बढ़ती गर्मी के बीच यह संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पानी की सप्लाई कई दिनों से बाधित है। कई बार जनस्वास्थ्य विभाग को शिकायत देने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। सुबह से ही महिलाएं और बच्चे पानी भरने के लिए हैंडपंपों और टैंकरों के पास लाइन लगाते दिखाई देते हैं।

शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं

कॉलोनीवासियों ने प्रशासन और जनस्वास्थ्य विभाग से जल्द समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द पानी की सप्लाई बहाल नहीं हुई तो वे विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी कि लगातार अनदेखी के कारण लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

रोजाना करना पड़ रहा संघर्ष

पीने के पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ रहा है। सुबह जल्दी उठकर हैंडपंप से पानी भरना पड़ता है, लेकिन वहां भी लंबी लाइन लगती है। कई बार टैंकर आने में देरी हो जाती है, जिससे पूरे दिन परेशानी बनी रहती है। -रीटा

केवल मिल रहे आश्वासन

कॉलोनी के लोगों ने कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी, लेकिन केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के कर्मचारी मौके पर आकर जांच तक नहीं कर रहे। -पवन कुमार

मंगवाने पड़ रहे निजी टैंकर

घरेलू कामों के लिए लोगों को निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि टैंकर से पानी भरने के लिए भी लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। कई बार पानी खत्म होने पर लोगों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है। -राममूर्ति

इंजीनियरिंग व एलएलबी की परीक्षाओं की डेटशीट जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी ने इंजीनियरिंग और एलएलबी कोर्सों की मई-2026 थ्योरी परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि बीटेक/इंजीनियरिंग के चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर के रेगुलर व री-अपीयर एग्जाम तथा सातवें सेमेस्टर के केवल री-अपीयर एग्जाम 18 मई से शुरू होंगे। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीबीए एलएलबी पंच वर्षीय के दूसरे, चौथे, छठे, आठवें और दसवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 मई से, एलएलबी ऑनर्स तीन वर्षीय की दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर की रेगुलर, री अपीयर और इंप्रूवमेंट तथा पांचवें सेमेस्टर की री अपीयर और इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं 15 मई से, बीकॉम एलएलबी पंच वर्षीय के दूसरे सेमेस्टर रेगुलर के दूसरे, चौथे, छठे, आठवें और दसवें सेमेस्टर की रेगुलर, री अपीयर और इंप्रूवमेंट तथा नौवें सेमेस्टर की री अपीयर और इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं 19 मई से प्रारंभ होंगी। डेटशीट यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

लाखन माजरा में घर से लाखों के गहने चोरी

लाखन माजरा। लाखन माजरा गांव के एक मकान में लाखों रुपये के सोना चांदी के गहने चोरी की वारदात सामने आई है। इस संबंध में पीड़ित परिवार के मुखिया ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में लाखन माजरा गांव निवासी तिलकराज पुत्र कृष्ण कुमार ने बताया कि लाखन माजरा चौक पर उसकी परचून की दुकान है। हर रोज की तरह वह और उसकी पत्नी सोनू दोनों सुबह 8 बजे दुकान पर चले गए। दुकान पर जाने के बाद करीब 40 मिनट बाद वह अपने घर शौच करने के लिए आया था। उस वक्त उसकी 12 वर्षीय बेटी रीतिका घर के अंदर सो रही थी। अंदर से दरवाजे का कुंडा खुला हुआ था। शौच करने के बाद वह फिर से दुकान पर चला गया था। शाम को साढ़े 5 बजे उसकी पत्नी ने अपनी अलमारी में रखे जेवर संभाले तो वे वहां पर नहीं मिले। चोरी हुए सामान में दो सोने के गले के हार, दो जोड़ी सोने के झुमके, 3 सोने की लेडीज अंगूठियां, 2 सोने की जेंट्स अंगूठी, 2 सोने की चेन और एक चांदी का हार शामिल है।

चार कॉलेजों को मिले नए कोर्स, विषय भी जोड़े गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उच्च शिक्षा विभाग ने जिले के सरकारी कॉलेजों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कई नए स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी है। विभाग के इस फैसले से जिले के प्रमुख कॉलेजों में विज्ञान और कला संकाय के तहत कई नए विषय जोड़े गए हैं, जिससे स्थानीय छात्रों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। जिले के चार सरकारी कॉलेज को नए कोर्स मिले है।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए राजकीय महाविद्यालय महम और राजकीय महाविद्यालय मोखरा में एमए इतिहास के कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे ग्रामीण अंचल के छात्र अपने घर के पास ही पीजी की पढ़ाई कर सकेंगे।

40 सीटें निर्धारित

पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सांगवान के अनुसार, कॉलेज में एमएससी जूलॉजी, एमए साइकोलॉजी और यूजी स्तर पर बायोटेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा राजकीय महिला महाविद्यालय लाखनमाजरा में अब फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई भी शुरू होगी। सभी नए शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए फिलहाल 40 सीटें निर्धारित की गई हैं। विभाग ने कुछ कॉलेजों में छात्रों की मांग को देखते हुए सीटें बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। इस पहल से रोहतक जिले में सरकारी उच्च शिक्षा का ढांचा और अधिक मजबूत होगा और छात्रों को विविध विषयों में विशेषज्ञता हासिल करने का मौका मिलेगा।

एआई से बदलेगी उच्च शिक्षा की तस्वीर, लर्निंग से अर्निंग बनेगा नया मॉडल: प्रो. नसीब

रोहतक। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में उच्च शिक्षा का स्वरूप पूरी तरह बदल देगा। यह विचार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल ने वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय द्वारा अमेरिकी संस्था इक्वल एक्सएस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल मल्टीडिसिप्लिनरी सेमिनार में बतौर ग्लोबल स्पीकर व्यक्त किए। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. नसीब सिंह गिल ने 'लर्निंग टू अर्निंग' रीइमेजिनिंग हायर एजुकेशन विषय पर बोलते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा को रोजगार, नवाचार और डिजिटल स्किल्स से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। डॉ. गिल ने कहा कि एआई केवल तकनीक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अब पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर स्किल आधारित और इंडस्ट्री ओरिएंटेड शिक्षा मॉडल अपनाना होगा, ताकि युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने बताया कि डिजिटल सशक्तिकरण, रिसर्च, इनोवेशन और एआई आधारित शिक्षण प्रणाली छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

महम में महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर फरार हुआ बाइक सवार

महम। महम में चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई है। इस वारदात में एक बाइक सवार व्यक्ति एक महिला के गले से उसका मंगलसूत्र तोड़कर ले गया। इस संबंध में महिला महम शहर पुलिस चौकी को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में बहलबा गांव निवासी राजबाला पत्नी प्रदीप राठी ने बताया कि वह बहलबा बजाण गांव की रहने वाली है। वह एएनएम के पद पर कार्यरत है। वह शहर में अपने लड़के को लेने के लिए महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में आई थी। करीब एक बजे जब वह टैक्सी स्टैंड वाली गली में पहुंची तो अचानक एक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और वह मोटर साइकिल सहित फरार हो गया। उस मोटर साइकिल पर पीछे नंबर प्लेट नहीं थी। उसके शोर मचाया तो लोग इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक वह वहां से भाग चुका था। महिला ने पुलिस से मंगलसूत्र तोड़कर ले जाने वाले शख्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और उसका मंगलसूत्र दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कॉलेज प्रांगण में लगी आग

सांपला। सांपला सर छोटूराम कन्या महाविद्यालय के प्रांगण में शनिवार दोपहर को आग लग गई। हवा चलने से आग बिल्डिंग की ओर फैलने लगी। ऐसा देख कालेज स्टाफ में हड़कंप मच गया। तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि कालेज में बिल्डिंग के पिछले हिस्से में पेड़ और झूंड उगे हुए हैं। जिसकी वजह से आग लग गई।

आंखें स्कैन करके राशन देने के लिए रोहतक पहुंची मशीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ सोमवार तक शुरू होगी नई व्यवस्था, फिंगर प्रिंट और नेटवर्क की दिक्कतों से मिलेगी राहत

सरकारी राशन लेने के लिए अब लाभार्थियों को बार-बार अंगूठा लगाने की परेशानी से राहत मिलने वाली है। जिला खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने जिले के सभी 252 सरकारी राशन डिपो पर नई राशन वितरण मशीनें पहुंचा दी हैं। इन मशीनों के साथ आंखें स्कैन करने वाली नई पहचान प्रणाली भी शुरू की जा रही है, जिससे लाभार्थियों को आसानी से राशन मिल सकेगा। विभाग का दावा है कि सोमवार तक सभी डिपो पर नई व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी। बताया जा रहा है जितने राशन डिपो जिले में उनसे कुछ ज्यादा मशीनें मंगवाई गई हैं। ताकि कोई मशीन खराब हो जाए तो तुरंत उसकी जगह दूसरी दी जा सके।

पिछले लंबे समय से राशन डिपो पर पुरानी मशीनों के खराब रहने, नेटवर्क नहीं आने और फिंगर प्रिंट मैच नहीं होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। खासकर बुजुर्गों और मेहनत मजदूरी करने वाले लोगों के अंगूठे के निशान मशीन में सही तरीके से नहीं आते थे, जिसके कारण उन्हें कई बार राशन लेने के लिए चक्कर काटने पड़ते थे। अब आंखों की स्कैनिंग के जरिए पहचान होने से लाभार्थियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग की ओर से डिपो संचालकों को नई राशन वितरण मशीनें, आंख पहचानने वाली मशीनें और इलेक्ट्रॉनिक कांटे उपलब्ध करवाए गए हैं। नई मशीनों के माध्यम से राशन वितरण प्रक्रिया पहले के मुकाबले तेज और पारदर्शी होने का दावा किया जा रहा है।

विभाग के अनुसार मई माह का गेहूं पहले ही अप्रैल में वितरित किया जा चुका है। अब डिपो पर जून माह का गेहूं पहुंच चुका है, जिसका वितरण नई मशीनों के जरिए किया जाएगा। वहीं मई महीने का तेल और चीनी भी लाभार्थियों को दी जाएगी।

विभाग ने साफ किया है कि यदि किसी डिपो पर राशन वितरण में लापरवाही या लाभार्थियों को परेशान करने की शिकायत मिलती है तो संबंधित संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिकायतों के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि लोगों को समय पर मदद मिल सके।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

आज बन गए सफल उद्यमी — निजी बैंक की नौकरी छोड़ अपनाया व्यवसाय

झींगा पालन से प्रतिवर्ष सवा करोड़ की आमदनी कर रहे अजय कुमार

■ प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और प्रशिक्षण से बदली जिंदगी
■ मेहनत से 150 टन झींगा उत्पादन
■ अब अन्य किसानों को भी झींगा पालन के लिए कर रहे प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खेती में नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किस तरह किसी किसान की जिंदगी बदल सकता है, इसका उदाहरण रोहतक निवासी अजय कुमार ने पेश किया है। कभी निजी बैंक में नौकरी करने वाले अजय कुमार आज 60 एकड़ में झींगा पालन कर सालाना लगभग एक करोड़ रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। वर्ष 2015 में केवल 2.5 एकड़ भूमि से शुरू हुआ उनका सफर अब 150 टन तक झींगा उत्पादन तक पहुंच चुका है। अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने बीसीए तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद वर्ष 2005 में कॉरपोरेट सेक्टर में एक निजी बैंक के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। वर्ष 2011 तक नौकरी करने के बाद उन्होंने स्वरोजगार अपनाने का निर्णय लिया। इसी दौरान उन्हें केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के बारे में जानकारी मिली। प्रशिक्षण के बाद शुरू किया झींगा पालन उन्होंने वर्ष 2014 में केंद्रीय मार्स्यिकी शिक्षा संस्थान से मत्स्य पालन का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के बाद वर्ष 2015 में लाहली गांव में 2.5 एकड़ भूमि पर झींगा पालन शुरू किया। शुरुआती सफलता मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने धीरे-धीरे इस व्यवसाय का विस्तार करना शुरू कर दिया।

योजना से मिला प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग

अजय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मिलने वाली सहायता और प्रशिक्षण ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। योजना के जरिए उन्हें तकनीकी जानकारी, आधुनिक तरीके और आर्थिक सहयोग मिला, जिससे व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिली। जिला मत्स्य अधिकारी आशा हुड्डा ने बताया कि सरकार का लक्ष्य मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत मीठे और खारे पानी के तालाब बनाकर मत्स्य पालन करने पर अनुदान भी दिया जाता है।

घड़ावटी गांव में 10 एकड़ भूमि पर व्यवसाय का विस्तार किया

झींगा पालन से अच्छी आय होने के बाद उन्होंने घड़ावठी गांव में 10 एकड़ भूमि पर व्यवसाय का विस्तार किया। वर्तमान में वे करीब 60 एकड़ में झींगा पालन कर रहे हैं और लगभग 150 टन झींगा उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत, वैज्ञानिक तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन के कारण उन्हें लगातार सफलता मिल रही है। अब वे अन्य किसानों को भी पारंपरिक खेती के साथ-साथ झींगा पालन अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

रोहतक। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया। फोटो : हरिभूमि

3.52 करोड़ रुपये के समझौते

राष्ट्रीय लोक अदालत में 19 हजार से अधिक मामलों का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को विभिन्न श्रेणियों के कुल 22 हजार 819 मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया, जिनमें से 19 हजार 328 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। लोक अदालत के दौरान लगभग 3 करोड़ 52 लाख 39 हजार 617 रुपये की राशि के समझौते हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया ने बताया कि लोगों को त्वरित, सस्ता और सरल न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से मामलों का समाधान होने से न केवल न्याय प्रक्रिया तेज होती है, बल्कि पक्षकारों के बीच सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए कुल पांच बेंचों का गठन किया गया था। इन बेंचों में संगीता राय सचदेव, कपिल राठी, हिमांशु आर्य, ममता तथा शंकर दून शामिल रहे। इसके अतिरिक्त उपमंडल महम में अमित श्योराण की अध्यक्षता में अलग पीठ गठित की गई थी।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

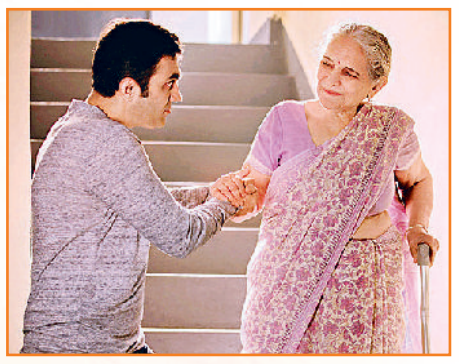

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां ,यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

'मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

'साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

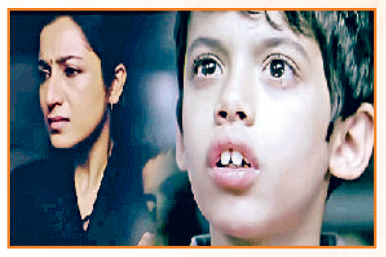

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*